खतरनाक गतिरोध

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

12 अक्टूबर, 2021

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारी तैनाती के कारण पिछले सीमा समझौते अव्यवस्थित हैं।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जैसे ही सर्दियां आ रही हैं, भारत और चीन के बीच नवीनतम तेहरवें दौर की वार्ता बिना किसी संकल्प के समाप्त हो गयी, जिससे हजारों सैनिकों को पूर्वी लद्दाख में एक और कठोर ठंड के मौसम का सामना करना पड़ेगा।

विरोधाभासी बयानों ने गतिरोध को तेजी से बढ़ाया, जिससे यह वार्ता सफल नही हो सकी। सोमवार सुबह भारतीय सेना के बयान में कहा गया है कि भारत ने शेष क्षेत्रों पर गतिरोध को हल करने के लिए "रचनात्मक सुझाव" दिए, जबकि चीनी पक्ष "सहमत नहीं था और कोई भी सकारात्मक प्रस्ताव भी नहीं दे सका था"। रविवार रात एक चीनी बयान ने भारत पर "अनुचित और अवास्तविक मांग" उठाने का आरोप लगाया।

हालांकि इस बार की वार्ता के अंत मे कोई संयुक्त बयान नहीं दिया गया था, जैसा कि अगस्त में अंतिम दौर की वार्ता में हुआ था, जब गोगरा में सेना हटाने के लिए समझौता किया गया था। एकमात्र आश्चर्य यह है कि अगस्त में दोनों पक्षों की "विश्वास बढ़ाने" और "तेजी से हल करने" के मुद्दों के विपरीत, जो पहले से ही एक वर्ष से अधिक समय तक खींचे गए थे। इस बार कलह अब पूरी तरह से खुले में आ गयी है। वास्तव में, सीमा पर हाल की घटनाओं से यह स्पष्ट एक संकेत मिला है कि दोनो देशों के मध्य सब कुछ ठीक नहीं है।

सबसे पहले, रविवार की वार्ता से दो दिन पहले भारतीय आधिकारिक सूत्रों का हवाला देते हुए, अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में आमने-सामने की रिपोर्ट सामने आई। बाद में, चीनी सैनिकों को कुछ घंटों के लिए हिरासत में लेने की बात सामने आई। रिपोर्टों को लेकर चीन द्वारा गुस्से में प्रतिक्रिया व्यक्त की गयी।

जबकि चीनी सेना ने पिछले साल सोशल मीडिया पर वीडियोज एवं इमेजेस को स्पष्ट रूप से लीक कर दिया, जिसमें कथित तौर पर गलवान घाटी में चीन द्वारा हिरासत में लिए गए घायल भारतीय सैनिकों को दिखाया गया था। चीनी विदेश मंत्रालय ने वार्ता के बाद बयान दिया और आरोप लगाते हुए कहा, भारत ने 1962 में "आगे की नीति" का पालन किया था। इस बयान के बाद परिस्थितियां बिगड़ गयी।

यह उपर्युक्त बयान चीन ने रविवार की रात को वार्ता समाप्त होने के कुछ ही घंटों बाद दिया था जबकि चीन को एक ऐसे देश के रूप में जाना जाता है जो आमतौर पर बयानों को सावधानीपूर्वक एवं नाप-तौल के ही देता है। ऐसे में यह बयान बताता है कि पीएलए (पीपल्स लिबरेशन आर्मी) जो चीन का एकीकृत सैन्य सगंठन है, भारत-चीन सीमा के समाधान का कोई वास्तविक इरादा नहीं था। यह एलएसी को खतरनाक स्थिति में छोड़ देगा और अभी कई हॉटस्पॉट अनसुलझे हैं। और यह बयान वर्तमान वार्ता में 'नवीनतम दौर के हॉट स्प्रिंग्स' पर चर्चा करने के लिए था, जबकि विवाद 'डेमचोक और डेपसांग' पर अभी बने हुए ही थे।

साथ ही कोर कमांडरों को गश्त के लिए नए प्रोटोकॉल पर काम करने के लिए भी तैयार किया गया था। इस सप्ताह के अंत में बोलते हुए, भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवने ने बताया कि चीनी में में बड़े पैमाने पर अपने बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है।

चूंकि चीनी सैनिक वहां बने रहेंगे, और भारतीय सैनिक भी वहाँ रहेंगे। इसीलिए लद्दाख और पश्चिमी क्षेत्र अभी कुछ समय तनाव का केंद्र बने रह सकते हैं। लेकिन जैसा कि उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में हाल ही में भड़की घटनाओं से पता चलता है कि मध्य और पूर्वी क्षेत्र भी शायद ही अभी शांत हों पाएगें। चीन के अभूतपूर्व सैनिकों के जमावड़े के मद्देनजर पिछले सीमा समझौते अस्त-व्यस्त पड़े हैं, जबकि प्रत्येक पक्ष के लगभग 50,000 सैनिक आगे के क्षेत्रों में तैनात हैं। यह सभी परिस्थितियां एक साथ मिलकर खतरनाक मिश्रण बनाती हैं क्योंकि हिमालय में सदैव कठोर सर्दी पड़ती है।

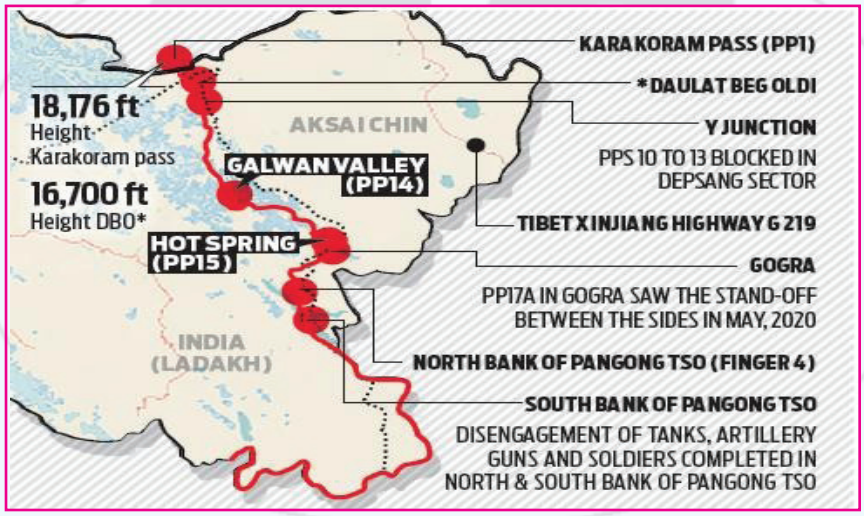

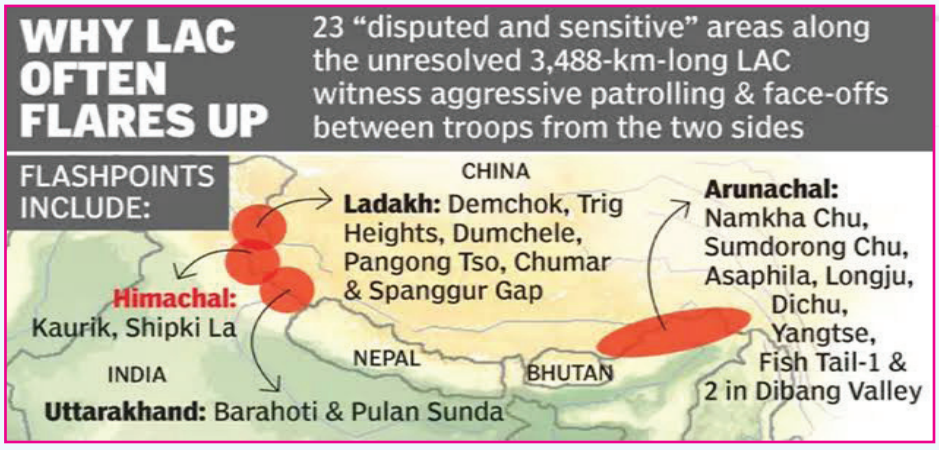

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. निम्नलिखित में से कौन सा/से स्थल चीन के साथ सीमा विवाद में शामिल है/हैं?

1. हॉट स्प्रिंग्स (लेह-लद्दाख)
2. कालापानी (उत्तराखंड)
3. अक्साई चीन

कूट-

(a) केवल 1 और 2 **(b)** केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 **(d)** उपर्युक्त सभी

Expected Questions (Prelims Exams)

Q. Which of the following sites is/are involved in border dispute with China?

1. Hot Springs (Leh-Ladakh)
2. Kalapani (Uttarakhand)
3. Aksai Chin

Code-

(a) 1 and 2 only **(b)** 2 and 3 only

(c) 1 and 3 only **(d)** All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. चीन के साथ सीमा विवाद अब नए सीमावर्ती क्षेत्रों में पहुँच गया है। ऐसे में चीन के विरुद्ध भारत की रणनीति में कौन-से नवीन परिवर्तनों की आवश्यकता है? चर्चा करें। (250 शब्द)

Q. The border dispute with China has now reached new border areas. So what are the new changes needed in India's strategy against China? Discuss. (250 Words)

World
Committed To Excellence

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।